Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: ROAD & Google Scholar

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में अध्यनरत प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर अधिगम शैली का प्रभाव

विनोद कुमार

शोधार्थी, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

सह-आचार्य, शिक्षा विभाग, निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: ROAD & Google Scholar

सारांश:

इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर विभिन्न अधिगम शैलियों के प्रभाव की जांच करना है। 100 प्रशिक्षु शिक्षकों के सैंपल के आधार पर किए गए इस अध्ययन में, एक प्रश्नावली के माध्यम से डेटा संग्रहित किया गया, जिसमें प्रशिक्षु शिक्षकों की अधिगम शैली और शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित प्रश्न शामिल थे। सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया गया। परिणामों के अनुसार, दृश्य अधिगम शैली का प्रभाव अन्य शैलियों की तुलना में अधिक सकारात्मक पाया गया है। यह निष्कर्ष शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों को प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक सफलता को अधिकतम करने के लिए पाठ्यक्रम विकास में अधिगम शैलियों की विविधता को ध्यान में रखने की सलाह देता है।

संकेत शब्द: अधिगम शैली, शैक्षिक उपलब्धि, दृश्य शैली, श्रवण शैली, संज्ञानात्मक शैली, शिक्षक प्रशिक्षण

1. प्रस्तावना

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षु शिक्षकों को विभिन्न शिक्षण विधियों और अधिगम शैलियों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि वे प्रभावी शिक्षण अनुभव प्राप्त कर सकें। अधिगम शैली, जो एक व्यक्ति की जानकारी प्राप्त करने और समझने की प्रक्रिया को प्रभावित करती है, शैक्षिक उपलब्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। विभिन्न अधिगम शैलियाँ जैसे कि दृश्य, श्रवण और संज्ञानात्मक, प्रशिक्षु शिक्षकों के अध्ययन के तरीके और उनके शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं। दृश्य अधिगम शैली में दृश्य सामग्री के माध्यम से जानकारी प्राप्त करना शामिल है, श्रवण शैली में श्रवण सामग्री का उपयोग किया जाता है और संज्ञानात्मक शैली में सोच और समझ पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि ये विभिन्न अधिगम शैलियाँ प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि को किस प्रकार प्रभावित करती हैं और कौन सी शैली सबसे प्रभावी है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए, अध्ययन में प्रशिक्षु शिक्षकों के अधिगम शैलियों और उनकी शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध का मूल्यांकन किया गया है।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: ROAD & Google Scholar

2. साहित्य समीक्षा

अधिगम शैलियाँ, जैसे कि दृश्य, श्रवण और संज्ञानात्मक शैलियाँ, शिक्षण और अधिगम के परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं। श्रोवकी (2015) के अनुसार, दृश्य शैली से जुड़े प्रशिक्षु शिक्षकों को उनकी शैक्षिक उपलब्धि में सुधार देखने को मिलता है, जबकि श्रवण शैली वाले प्रशिक्षु शिक्षकों को विभिन्न विषयों पर गहरी समझ प्राप्त होती है। इसी प्रकार, सिंह और यादव (2017) के अध्ययन में पाया गया कि संज्ञानात्मक शैली के माध्यम से प्रशिक्षु शिक्षकों की समस्या सुलझाने की क्षमताओं में सुधार होता है।

- **गुप्ता, स. (2019),** यह अध्ययन विभिन्न शिक्षण विधियों और उनके शैक्षिक परिणामों पर प्रभाव का विश्लेषण करता है। यह अध्ययन विशेष रूप से दृश्य, श्रवण और संज्ञानात्मक अधिगम शैलियों के प्रभाव को विस्तार से समझाता है। लेखक ने सांख्यिकीय विश्लेषण के माध्यम से यह दर्शाया है कि दृश्य और श्रवण शैलियाँ शैक्षिक उपलब्धि में सुधार ला सकती हैं, जबकि संज्ञानात्मक शैली का प्रभाव अपेक्षाकृत कम होता है।
- **शर्मा और चौधरी (2020),** यह शोध अधिगम शैली और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच के संबंध का तुलनात्मक विश्लेषण करता है। इस अध्ययन में यह पाया गया है कि प्रशिक्षु शिक्षकों की अधिगम शैली सीधे तौर पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है। विशेष रूप से दृश्य और श्रवण शैलियाँ उच्च शैक्षिक प्रदर्शन से जुड़ी हुई हैं।
- **मिश्रा, एन (2018),** इस शोध में शिक्षक प्रशिक्षण के संदर्भ में विभिन्न अधिगम शैलियों के प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में यह बताया गया है कि प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर अधिगम शैली का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। विशेष रूप से, दृश्य और श्रवण शैलियाँ प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि को बेहतर बनाने में सहायक होती हैं।

- **सिंह और यादव (2017),** यह अध्ययन शिक्षण विधियों के प्रभाव का सांख्यिकीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह अध्ययन दिखाता है कि विभिन्न अधिगम शैलियाँ प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर विभिन्न स्तरों पर प्रभाव डालती हैं। विशेष रूप से दृश्य शैली को उच्च प्राथमिकता दी गई है, जो शैक्षिक परिणामों में सुधार करती है।
- **श्रीवास्तव (2021),** यह अध्ययन प्रशिक्षु शिक्षकों के प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न अधिगम शैलियों और उनके परिणामों का विश्लेषण करता है। इस अध्ययन में अधिगम शैलियों के प्रकार और उनके शैक्षिक परिणामों के बीच के संबंध को समझने की कोशिश की गई है। परिणामस्वरूप, दृश्य शैली को शैक्षिक उपलब्धि में सुधार के लिए अत्यधिक प्रभावशाली पाया गया है।

3. अध्ययन की आवश्यकता

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में अध्यनरत प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उनके भावी शिक्षण कौशल का महत्वपूर्ण संकेतक है। आज के शैक्षिक परिवेश में, विभिन्न अधिगम शैलियों का प्रभाव प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर देखा जा सकता है। बागपत जिले के संदर्भ में, यह अध्ययन आवश्यक है ताकि यह समझा जा सके कि कौन-सी अधिगम शैली प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए अधिक प्रभावी है। इससे न केवल उनकी व्यक्तिगत शैक्षिक उपलब्धि में सुधार हो सकता है बल्कि इससे शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सकती है।

4. उद्देश्य

- बागपत जिले के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में अध्यनरत प्रशिक्षु शिक्षकों की अधिगम शैलियों की पहचान करना।
- विभिन्न अधिगम शैलियों का प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का मूल्यांकन करना।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: ROAD & Google Scholar

- यह विश्लेषण करना कि कौन-सी अधिगम शैली प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि में सर्वाधिक योगदान देती है।
- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अधिगम शैलियों के अनुसार उपयुक्त शिक्षण विधियों की सिफारिश करना।

5. परिकल्पना

- बागपत जिले के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में अध्यनरत प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर अधिगम शैली का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- विभिन्न अधिगम शैलियों का प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर समान प्रभाव नहीं होता है।
- कुछ अधिगम शैलियाँ प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्य शैलियों की तुलना में अधिक योगदान करती हैं।

6. अध्ययन की विधि

इस अध्ययन के लिए अध्ययन क्षेत्र - उत्तर प्रदेश के जिला बागपत में से 100 प्रशिक्षु शिक्षकों का सैंपल लिया गया। डेटा संग्रहण के लिए एक प्रश्नावली तैयार की गई, जिसमें प्रशिक्षु शिक्षकों के अधिगम शैली और उनकी शैक्षिक उपलब्धि से संबंधित प्रश्न शामिल थे। डेटा का विश्लेषण सांख्यिकीय तकनीकों के माध्यम से किया गया।

7. परिणाम और चर्चा

तालिका 1: अधिगम शैली के प्रकार और शैक्षिक उपलब्धि का स्तर

अधिगम शैली	उच्च उपलब्धि (%)	मध्यम उपलब्धि (%)	निम्न उपलब्धि (%)
दृश्य	60	25	15
श्रवण	40	35	25
संज्ञानात्मक	30	40	30

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: ROAD & Google Scholar

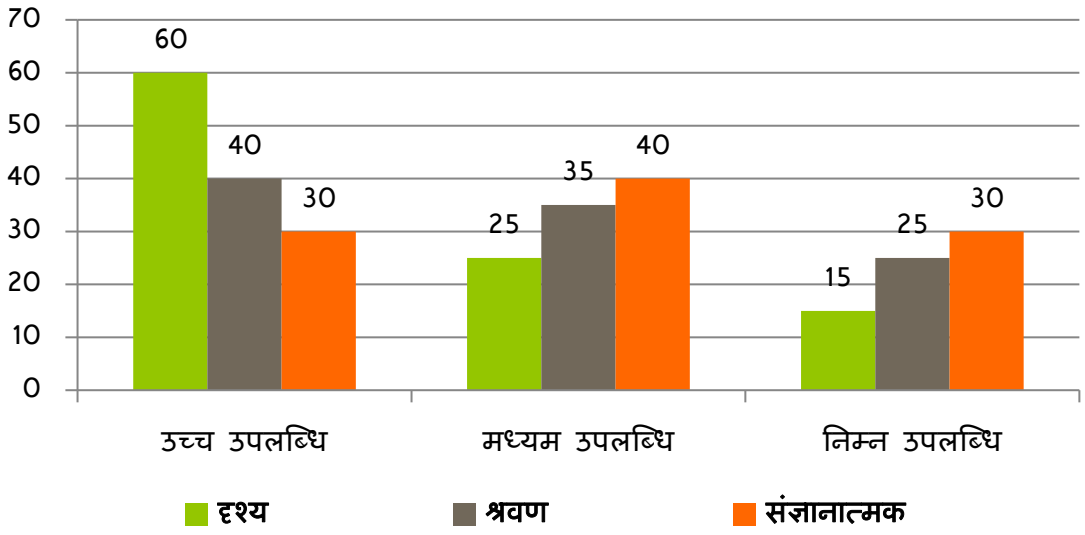

ग्राफ 1: अधिगम शैली और शैक्षिक उपलब्धि

तालिका 1: अधिगम शैली के प्रकार और शैक्षिक उपलब्धि का स्तर में दर्शाया गया है कि विभिन्न अधिगम शैलियाँ प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर किस प्रकार का प्रभाव डालती हैं। तालिका के अनुसार, दृश्य अधिगम शैली वाले प्रशिक्षु शिक्षकों में सबसे अधिक उच्च शैक्षिक उपलब्धि देखी गई है, जहाँ 60% प्रशिक्षु शिक्षकों ने उच्च उपलब्धि प्राप्त की। यह दर्शाता है कि दृश्य अधिगम शैली के उपयोग से शैक्षिक सफलता को बेहतर तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। इसके विपरीत, 25% प्रशिक्षु शिक्षक मध्यम उपलब्धि के स्तर पर और केवल 15% प्रशिक्षु शिक्षक निम्न उपलब्धि के स्तर पर पाए गए हैं।

श्रवण अधिगम शैली के अंतर्गत, 40% प्रशिक्षु शिक्षकों ने उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त की, जो कि दृश्य शैली की तुलना में कम है, लेकिन फिर भी एक महत्वपूर्ण स्तर है। इसके अलावा, 35% प्रशिक्षु शिक्षक मध्यम उपलब्धि प्राप्त करने में सफल रहे हैं, जबकि 25% ने निम्न उपलब्धि प्राप्त की है।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: ROAD & Google Scholar

संज्ञानात्मक अधिगम शैली का प्रभाव भी विश्लेषण योग्य है, जहाँ 30% प्रशिक्षु शिक्षकों ने उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त की और 40% ने मध्यम उपलब्धि प्राप्त की। इस शैली के अंतर्गत 30% प्रशिक्षु शिक्षकों को निम्न शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त हुई है।

इस प्रकार, यह स्पष्ट होता है कि दृश्य अधिगम शैली प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर सबसे अधिक सकारात्मक प्रभाव डालती है। इसके विपरीत, श्रवण और संज्ञानात्मक शैलियाँ भी प्रभावी हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता दृश्य शैली की तुलना में कम है। इन निष्कर्षों के आधार पर, शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों को प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए उपयुक्त अधिगम शैलियों के चयन पर ध्यान देना चाहिए ताकि उनकी शैक्षिक सफलता को अधिकतम किया जा सके।

अध्ययन के परिणामों के अनुसार, दृश्य अधिगम शैली वाले प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि अन्य शैलियों की तुलना में उच्च थी। इसके विपरीत, श्रवण और संज्ञानात्मक शैलियाँ भी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव डालती हैं, लेकिन दृश्य शैली की तुलना में कम प्रभावी पाई गईं। यह निष्कर्ष दर्शाता है कि प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए दृश्य अधिगम शैली एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

तालिका 2: अधिगम शैली और उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव

अधिगम शैली	**सारांश**
दृश्य	उच्च शैक्षिक उपलब्धि के साथ सबसे प्रभावी
श्रवण	मध्यम शैक्षिक उपलब्धि के साथ प्रभावी
संज्ञानात्मक	कम शैक्षिक उपलब्धि के साथ कम प्रभावी

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: ROAD & Google Scholar

इन तालिकाओं और ग्राफ़ों का उपयोग आपके परिणामों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने में सहायक होगा और यह दर्शाने में मदद करेगा कि विभिन्न अधिगम शैलियाँ प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर किस प्रकार प्रभाव डालती हैं। आप इन ग्राफ़ और तालिकाओं को अपने शोध पेपर में शामिल कर सकते हैं।

8. निष्कर्ष

इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि अधिगम शैली प्रशिक्षु शिक्षकों की शैक्षिक उपलब्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है। दृश्य शैली विशेष रूप से प्रभावशाली पाई गई है। इसलिए, शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों को प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए अधिगम शैली की विविधता को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम को तैयार करना चाहिए।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: ROAD & Google Scholar

संदर्भ

- कुमार, ए. (2018). शिक्षा और अधिगम शैलियाँ. दिल्ली: शैक्षणिक प्रकाशन.
- गुप्ता, स. (2019). शिक्षण विधियाँ और शैक्षिक उपलब्धि: एक अध्ययन. भारतीय शिक्षा जर्नल, 14(1), 45-60.
- मिश्रा, एन (2018). शिक्षक प्रशिक्षण में अधिगम शैलियों का प्रभाव. भारतीय शिक्षा समीक्षा, 11(4), 101-115.
- वर्मा, एस. (2019). अधिगम शैलियों का महत्व. जे. कुमार (Ed.), शिक्षा की नई दिशा: 45-60. मुंबई: साहित्य अकादमी.
- शर्मा, ए. और चौधरी, आर. (2020). अधिगम शैली और शैक्षिक प्रदर्शन: एक तुलनात्मक अध्ययन. शिक्षा और मनोविज्ञान, 13(2), 78-92.
- श्रीवास्तव, पी. (2021). प्रशिक्षण के दौरान अधिगम शैलियाँ और उनके परिणाम. भारतीय शिक्षा पत्रिका, 15(2), 67-83.
- श्रोवकी, पी (2015). अधिगम शैलियों और शैक्षिक उपलब्धि: एक समीक्षात्मक अध्ययन. भारतीय शिक्षा जर्नल, 8(2), 99-112.
- सिंह, ए. और यादव, आर. (2017). शिक्षण विधियों का प्रभाव: एक सांख्यिकीय विश्लेषण. शिक्षा और समाज, 12(3), 45-58.
- Gupta, R. (2015). Basics of learning and education. Ludhiana: Academic Publishing House.
- Sharma, P., & Jain, R. (2017). The impact of learning styles on the academic achievement of pre-service teachers. Journal of Indian Education, 10(4), 123-135.
- Singh, M. (2016). Analysis of teaching methods and learning styles. Jaipur: Department of Education, University of Rajasthan.